

२ सगुना चिगु ना वा या
दा खा वा या गु गाल चि

सर्वधर्मपत्रिगु डि कूल धर्म पत्रायन। कूल धर्म पत्रिगु
डि गाल वंन ग कं र क ॥

आ ३५५ ५५५ ५५५
2.177
ASNA ARCHIVES

स्य दक्षवामावर्तन ॥ यत्र वर्तन ॥ जौं श्रीं जौं वरुर्विगयकसिद्धवक्रयाद ॥ १ ॥ जौं श्रीं जौं
दादगमलावसिद्धवक्रयाद ॥ २ ॥ जौं श्रीं जौं मूरुगमकसिद्धवक्रयाद ॥ ३ ॥ जौं श्रीं जौं वरुगममूरु
सिद्धवक्रयाद ॥ ४ ॥ जौं श्रीं जौं पञ्चदगमवर्तुवसिद्धवक्रयाद ॥ ५ ॥ ॐ गिप्रकादगममूलयूजा
॥ ॥ गगामूरुक्रममूलयूजयत् ॥ दक्षिणवर्तन ॥ ॐ गमनादिक्रमन ॥ जौं श्रीं हूं यानि
मूर्खायाद ॥ जौं श्रीं हूं यानिसिद्धनाथयाद ॥ ॐ गमन ॥ जौं श्रीं हूं मूर्खायानिमूर्खायाद ॥ जौं श्रीं हूं म
हारायानिसिद्धनाथयाद ॥ पूर्व ॥ जौं श्रीं हूं मूर्खायानिमूर्खायाद ॥ जौं श्रीं हूं मूर्खायानिसिद्धनाथयाद ॥
दक्षिण ॥ जौं श्रीं हूं दक्षिणयानिमूर्खायाद ॥ जौं श्रीं हूं दक्षिणयानिमूर्खायाद ॥ यष्टिम ॥ जौं श्रीं हूं
यष्टियानिमूर्खायाद ॥ जौं श्रीं हूं यष्टियानिसिद्धनाथयाद ॥ उत्तर ॥ मूर्खायानिमूर्खायाद ॥ गगाम

[illegible]

गंगासीहानकममधुलपूजयत ॥ पूर्वादिनस्य दक्षिणवर्तन ॥ हूं हूं महारु करु क विमृष्टाया
 द ॥ दद्यात् ॥ हूं हूं महारुसीहानिविनिमृष्टायाद ॥ हूं हूं महारुनकधनीमृष्टायाद ॥ हूं हूं महारुहता
 कनानिनीमृष्टायाद ॥ हूं हूं महारुयमरुद्धीमृष्टायाद ॥ हूं हूं महारुकालनातिकालसीहानि
 विमृष्टायाद ॥ हूं हूं महारुवधुवधुधनीमृष्टायाद ॥ हूं हूं महारुवीनविमृष्टायाद ॥ हूं हूं महारुवीनविमृष्टायाद ॥
 हूं हूं महारुकालानिबुद्धसीहानिविनिमृष्टायाद ॥ हूं हूं महारुववसीहानिविनिमृष्टायाद ॥ म॥
 सकदमी १० ॥ गताकवी १०० ॥ नवाकवीर ॥ विश्वसिद्ध ॥ ॥ गताकवी १०० ॥ गताकवी १०० ॥
 लपूजयत ॥ वामावर्तन दद्यात् उरुनादि वीरानाक मी ॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि
 मृष्टायाद ॥ उरुन ॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥ ॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥

॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥ ॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥
 मृष्टायाद ॥ नमः ॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥ ॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥
 लि २ मृष्टायाद ॥ दक्षिण ॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥ ॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥
 मार्ककालि २ मृष्टायाद ॥ मृष्टायाद ॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥ ॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥
 हाकालानिकालि २ मृष्टायाद ॥ वीरान ॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥ ॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥
 हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥ म॥ ॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥ ॥ हूं हूं हूं हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥
 १०० ॥ नवाकवीर ॥ विश्वसिद्ध ॥ ॥ गताकवी १०० ॥ गताकवी १०० ॥
 कालिमृष्टायाद ॥ हूं ॥ हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥ हूं ॥ हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥ हूं ॥ हूं महारुसिद्धकालि मृष्टायाद ॥

कालिमुखायादहं ॥ १ ॥ महागणेशकालिमुखायादहं ॥ २ ॥ त्रैलोक्यकालिमुखायादहं ॥ ३ ॥ महाडाकाव
 कालिमुखायादहं ॥ ४ ॥ महागणेशकालिमुखायादहं ॥ ५ ॥ महाप्रकाशकालिमुखायादहं ॥ ६ ॥ म
 हासदकालिमुखायादहं ॥ ७ ॥ महाबलकालिमुखायादहं ॥ ८ ॥ महासदिकालिमुखायादहं ॥ मनुष्य
 रुदनचतुर्विंशतिर्वा ॥ ॥ गताकगवसानं उरुवादां मावर्तन ॥ १ ॥ महारासाकालिमुखायादहं ॥ २ ॥
 महारासाहंसकालिमुखायादहं ॥ ३ ॥ महारासायागकालिमुखायादहं ॥ ४ ॥ महारासागणेशकालिमुखाया
 दहं ॥ ५ ॥ महारासासुवकालिमुखायादहं ॥ ६ ॥ महारासाजककालिमुखायादहं ॥ ॥ गतावसिचक्रं
 योजयत ॥ श्रीं ह्रीं ह्रीं ४ सूर्यकालिमुखायाद ॥ वधुलसिख ॥ श्रीं ह्रीं ह्रीं ४ चन्द्रकालिमुखायाद ॥
 सोम्यवसिख ॥ श्रीं ह्रीं ह्रीं ४ मृत्तिकालिमुखायाद ॥ वधुवसिख ॥ श्रीं ह्रीं ह्रीं ४ वायुकालिमु
 ४ ॥ १ ॥ महारासावधुकालिमुखायादहं ॥ २ ॥ महारासाजिनकालिमुखायादहं ॥

खायाद ॥ निर्मलनसिख ॥ श्रीं ह्रीं ह्रीं ४ धामकालिमुखायाद ॥ शांतिनाम ॥ श्रीं ह्रीं ह्रीं ४
 नकालिमुखायाद ॥ श्रीमाद्यनसिख ॥ श्रीं ह्रीं ह्रीं ४ सर्वनामिकागमयिकालिमुखायाद ॥ ॥
 म ॥ सकदमी ॥ गताकवी ॥ नवकवी ॥ विधासंयुक्त ॥ ॥ गतासमयविद्यान
 यश्चकालियुजयत ॥ मूडायश्चकदर्मयिवागयथ ॥ गैरव १ यम २ तर्जनी ३ त्रिभुवा ४ कर्ण
 किर्षी ५ मूडदर्मयत ॥ ॥ गतास ॥ ध्यानयागन यथविधिनीध्वावा
 मावाहयत ॥ आसन युगे ४ वंद ४ दिव्याल १० यश्चयत १ हृष्टि यमय रविव मिवाकं आसन
 दमनावाहयत ॥ यश्च ६, आयुध १४ वक्रयकि १० गयति ॥ ॥ गतामूलमर्कनसिख गि
 धामावाहयत ॥ नवाकननदमनमूलमावाहयत ॥ सकदमनकनन मध्दमनमावाहयत

[illegible]

३
 श्रीनृसिमाद्यादिद्यायाइकी ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥
 याइकी ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥
 निद्यावकुश्वनीयाइकी ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥
 श्वनीतिद्याप्रीयाइकी ॥ ४ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥
 नीलीतिद्याप्रीयाइकी ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥

कामश्वनीदवीबडासगकिप्रीयाय ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥
 गताधामिक वकुश्वनीदवीविष्णुसगकिप्रीयाय ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥
 पूर्वगिविगद मडाश्रीगताधामिकरुगमालिनीदवावक्रालम किप्रीयाय ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥
 नीदविपर्ववक्रा ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥
 महरहाविकापी ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥
 वकुश्वनीतिद्या ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥ **ॐ नमो भगवते वासुदेवाय** ॥ १ ॥

पनायन. पनाये. श्रीमान् नृसदाशिवप्रतापनायका इकां॥ आसन॥ ॥ ततामूलस॥ अथ
वावाहकल॥ अथत्यादि॥ वाक्॥ श्रीमतितामिकोलिस॥ कलासुधी० त्यादि॥ मूलतमावाहक
त॥ ३॥ अथ३॥ वलि॥ गायत्री वलि॥ मूलत. गायत्री॥ वलि॥ ॥ इति शिवसूक्तनि
दशादमतावाहनविधि॥ ॥ गतामूलस. मूलमकुन. विधा३॥ ॥ सूरुलिस. गुनवयसु
कथानम४॥ ॥ यिवन. साहिकान. कायक॥ शिवलस॥ सिद्धधुस॥ तालिकस॥ दालः
स॥ यथस. दमवृथतस. धृतकन॥ ॥ ॥ अथसुदधन. श्रीरुगवर्तामर्धयिखा॥ गं
खस. मद्य. मांस. मत्स्य. यथाधवन. प्राणगत. यतर्ह. कुर्यायाय॥ ॥ अथवावाहकल॥
वउधुअस॥ दधायस. ययननसमर्गति

धडा काया

आशा अर्क

2.177

ASHA ARCHIVES

॥ वास ॥ अथ यिदवदवस यूधुर्थममतानकी । गृहानार्थमयादरुं । यसीदयनमध्वनी ॥ रुनवा
 आसयागित्या । वदुकीगममाहका । वक्रमश्चहितादवी । नसासियनमध्वनी ॥ वसकदामनपू
 जा । साङ्गैरुवगियूवकी । गृहानार्थमयादरुं । यसीदयनमध्वनी ॥ ॥ लैकानासनसमा
 बूडायादि ॥ नमस्कदवदवगी ॥ यासाककोमिकुरुवा ॥ उल्लस्येवयादि ॥ ॥ दमयैग
 हानैखाहा ॥ मृगगंधादि ॥ यथासाक्षात् गुरुलवनदायितारुवल् ॥ ॥ ॥ ॥

मृहानननरुगैदववसकदवतानुवे । मूल निविकीयसुर्व । दमयतीमय मज्जभलि ॥ मृह
 मृहाननगावापि । हरीयलुवयूजनै । नमस्कदवदवगी । नसासियनमध्वनी ॥ वसकदामनपू
 बाधसदुप्रानित्यादि ॥ दमस्कनितानाकाययति ॥ ॥ गताधूपदीप । नानानेवयादिनीः
 रुगगीमैताक ॥ दयैकुर्याति ॥ साय ॥ ययुजाग ॥ वीवशास ॥ कलैकार्क ॥ दक्षिध ॥ अरि
 धक ॥ साद्विधय ॥ न्यासलिकोथ ॥ ॥ सीतिमज्जभलि ॥ वलिथय ॥ नित्यकर्मयाथ ॥ कृमा
 लिजागयाय ॥ कलसारिषक ॥ सप्पतार्थि । मृगीर्वा ॥ दीयवाहनका ॥ रुगाननयतिहा ॥ व
 रुथचक ॥ कृमालिविसर्जन ॥ साद्विधय ॥ ॥ इतिदमनानाहृत ॥ ॥ नमस्क ॥ ॥



शनिवारगवतीयेव मायारुडातयेवच । किंकितीतिमलायेव जम्हि । कोलककंछनी ॥ घटादन
चोलमावी किंकितीकाकितीतथा ॥ सिद्धिलक्ष्मीयथादस्यात् वलिष्टकंठुमसदा ॥ सर्वविधिविनाम
य सर्वगपुत्रिनासनी । सर्वलक्ष्मीयददवि सर्वसायनिद्वर्क ॥ यथादलाम लाय सिद्धिलक्ष्मीदय
य ॥ ॐ माय जीवलिष्टक २ खाल ॥ ॥ वैजं श्रीलुं को श्रीवकावाव ॥ यदयथागथ ॥ अत्रया
थि कृतामया । नागवाकयुवनन्य ॥ सिद्धानमहावर्त ॥ गमागिष्ठतविद्या ॥ अमाद्याववदर्थिता ।
तागृहीतामहादवी । सैववरुयन ॥ सिनी ॥ ॐ श्रीविद्यामहादवी श्री० मातागृहीता । कृशावलि
गिविख्याता सर्वसिधदायक ॥ मारुदिया कलिछादि सुरुवनसकयाता नमूव ॥ कृशापी ॥ अय
थे विषमवकुयथेमलकादिमसान ॥ सिद्धोक्तिवदकउदविशुतयूप्रकानावताव ॥ कालथा ॥

यूक्तगिथामिथयूनवतउ ॥ यथाप्रधान ॥ जालाथजामधूर्य कूनयतिनगवकामनूयधनूय
डुऊन्याम लहास्यकगठ कनवलउदग यदग ॥ श्रीनेलयाविजामययुयतिनिनयहमवि
अनलमू श्रीमाकावाउदगमनययगिनीगीमकितीनी ॥ कासिभवदुदगउविदम
नयकवकवारुकूवूत ॥ श्रीवाक कृशाक उवसिदिनककसिद्धिऊहान ॥ अरुणीयाविजाम
हिगिनिगिखनकाविदगययाग ॥ श्रीवाकमधयगहयुयवतमकागवकावकवा ॥ काकुर्क
काकगवामगधवूनववककुक्ककलि ॥ वकामहववारुहिमलकयगलयाठलठंग
लाय ॥ श्रीनेरुमारुवकमूनिगवतिलयगारुनवदयग ॥ श्रीनेरुवकनाथगिनिग
हिनगुहवा कूनसिहताय ॥ वंगायहीमतागमिदयूननयव रुदकूलकवाथ श्रीवि

आश्वत्थकृष्णवनगिवितटयककुम्भेवर्लकी। वागवर्णा ॥ १ ॥ अथमनय ॥ २ ॥
बहुलवसा (न) प्रकाशितकमालमलयगिविबुद्धा ॥ ३ ॥ रुडा (क) मूलधः
नयकृत्तियूनलथसिंहक (कु) गभाकृत् ॥ ४ ॥ अथमन ॥ ५ ॥ अथमन ॥ ६ ॥ अथमन ॥ ७ ॥
कलवा ॥ ८ ॥ अथमन ॥ ९ ॥ अथमन ॥ १० ॥ अथमन ॥ ११ ॥ अथमन ॥ १२ ॥
विधवृधनूतादिवासेद्विददकु ॥ १३ ॥ अथमन ॥ १४ ॥ अथमन ॥ १५ ॥ अथमन ॥ १६ ॥
योत्रादिमात्रियरुगगगलवविद्युत्ताव (व) वा ॥ १७ ॥ अथमन ॥ १८ ॥ अथमन ॥ १९ ॥
७१। वी ॥ २० ॥ का नयकीरुहुरुहसिं अर्चकी विवक्ति ॥ २१ ॥ अथमन ॥ २२ ॥
कीलराधागिवक्ति ॥ २३ ॥ अथमन ॥ २४ ॥ अथमन ॥ २५ ॥ अथमन ॥ २६ ॥

मनसुदयविनमूर्त्तियमस ॥ २७ ॥ अथमन ॥ २८ ॥ अथमन ॥ २९ ॥ अथमन ॥ ३० ॥
लकिललललललगावकी विवक्ति ॥ ३१ ॥ अथमन ॥ ३२ ॥ अथमन ॥ ३३ ॥ अथमन ॥ ३४ ॥
गर्भ ॥ ३५ ॥ अथमन ॥ ३६ ॥ अथमन ॥ ३७ ॥ अथमन ॥ ३८ ॥ अथमन ॥ ३९ ॥
यूका ॥ ४० ॥ अथमन ॥ ४१ ॥ अथमन ॥ ४२ ॥ अथमन ॥ ४३ ॥ अथमन ॥ ४४ ॥
उगिर्वीरुषधीरुदनाली ॥ ४५ ॥ अथमन ॥ ४६ ॥ अथमन ॥ ४७ ॥ अथमन ॥ ४८ ॥
काव्यावितनरुयनमं वामदिवीयमार्थ ॥ ४९ ॥ अथमन ॥ ५० ॥ अथमन ॥ ५१ ॥
॥ ५२ ॥ अथमन ॥ ५३ ॥ अथमन ॥ ५४ ॥ अथमन ॥ ५५ ॥ अथमन ॥ ५६ ॥
याथागिवकृत्तियमि ॥ ५७ ॥ अथमन ॥ ५८ ॥ अथमन ॥ ५९ ॥ अथमन ॥ ६० ॥

गसिवसकनमस्वामाहूयिताथवक्र॥ श्री कृष्णसुर्वमान
पी० स्त्रायुवकीवक्रवाकेतकनामोलमाधिताहा। नाह
कनाशियकात्रा। तीक्ष्णीनोमिरुह्यायकनितनिद्रयायकायाकहिना॥ कास्मिककामवृ
याकनितकनववाहीषधीरुह्यकी। सामथीकृडिकावाप्रकटयकुसलाहानदियाद्यमा
य॥ वृत्तिमहावलि॥ मयूजावलि॥ २॥ वृत्तिमहावलि॥ ॥ एषाविद्यामहा
विद्या। त्रिभूलाकमूद्रल्ला। जस्यतिष्ठमूद्रविद्या। समूकानासुसंगमय॥ कुतयतावजकाधः
उक्तकावक्रनाहसा। विद्यास्मननमालेन। यनावयक्तिदमदिग॥ अनेकप्रियुकाधः वि
ब्रूयाकाधयवर्ता। स्मननातासयदवि। सूर्यसूर्यनवान्य॥ गणविलावलीनामविद्या॥

कायनाजिता। किर्तितातस्मननादति स्मननासर्वसंगमदी। नवया० कृतनित्ये सोलाह्व
प्रायजसु। महायवर्षयवर्षय तयर्षीवलियुवकी॥ जनाउताधकाजकु। श्रीहूर्यसुयवर्षतः
वृत्तिविदितसानधनवृद्धवविगृह्ण॥ २॥ वृत्तिवृद्धवतिविलि॥ ॥ कालिस॥ कः
वर्षकामनूर्ययूनवियूनगताजालवी॥ ०॥ जयरा। सका। समधेयी० प्रियधगतिरुताद
विसंगमरुकावा। आवायसिद्धिसंययविष्टतचकु० मरिहियागहृत्तयकाहियधधवा
ईश्वरलकसरुसाधवधवीनमामि॥ वृत्तिवाकमहावलि॥ ॥ विप्रवया॥ वृत्तिवृत्ता
उत्त० प्रियवधिनसदासिन्धुनिलयवर्षनातका। अनेकप्रियुकाधः वि
वयाये। वक्रननु। कानाकानाकानागिनिताताउवा। अनेकप्रियुकाधः वि

मिति वरूका वन्दिता वृवयति ॥ ७ ॥ उं वृका ॥ वादा वंग गदा गदा ॥ ८ ॥
याता लवा न वदा सुवि वय वत था ग ॥ ९ ॥ याता वा ॥ यी ॥ कया ययी ॥ अदि वृ वय वरूता
यूय वं यादि कव ॥ सीता दया मुक्षता ॥ १० ॥ लि वि धि नार ॥ अं वृ वं या ॥ साध सिद्ध व सर्व क
लि वि सि त व लि पूजा मुक्त ॥ म म म ति का म क व ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥

